

Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding non-bonafide people availing benefits meant for Scheduled Tribes.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी): अध्यक्ष महोदया, मैं शून्य काल में आपके माध्यम से सदन को एक बहुत ही गंभीर विषय के बारे में बताना चाहता हूं। अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए केन्द्रीय सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए देश में, विशेषकर महाराष्ट्र की कई सामान्य जातियों के छात्र अनुसूचित जनजाति में परिवर्तन कर रहे हैं, जिससे अनुसूचित जनजातियों को मिलने वाले आरक्षण कोटे के अंतर्गत नौकरी प्राप्त कर सकें। यह गोरखधन्धा पिछले कई सालों से हो रहा है। इसके कारण कोटे का लाभ असली अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को नहीं मिल पाएगा। पहले से ही राजनीति के दबाव में कई जातियों को राज्य सरकार की अनुशंसा पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जा रहा है। इस संबंध में जब कोई सवाल सदन में उठाया जाता है तो केवल यह कहकर टाल दिया जाता है कि राज्यों की अनुशंसा पर केन्द्र सरकार उन जातियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दे रही है। यह अनुसूचित जनजातियों के साथ अन्याय है और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में बाधक है।

13 00 hrs

सरकार ने अनुसूचित जनजातियों के लिए नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान बनाया है जिसका फायदा जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को न मिलकर कुछ अन्य जातियों और अनुसूचित जातियों में शामिल होने वाली जातियों को मिल रहा है। मैं इसके बारे में बहुत ही महत्वपूर्ण न्यूज आपके माध्यम से सदन के समक्ष रखना चाहता हूं कि महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के तरोडा गांव के एक स्कूल में प्रकाश किनगे जो कि वहां स्कूल के हैड मास्टर हैं, उन्होंने प्रेस में स्टेटमेंट दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं 1985 से उस गांव में टीचर था। कुछ दिनों के लिए मेरा ट्रांसफर हो गया। अभी एक महीने से मैं वहां आया हूं। उन्होंने कहा है कि यहां एक भी ट्राईबल की फैमिली नहीं है, फिर भी मेरे स्कूल में 250-300 आदिवासी छात्र कहां से आए? यह बहुत ही गंभीर मुद्दा है। जिन-जिन लोगों ने ऐसा किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए तभी आदिवासियों को न्याय मिलेगा।

HON. SPEAKER:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Harishchandra Chavan.